बिहार विधान परिषद

(203 बजट सत्र)

17 मार्च 2023

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

कुल प्रश्न 30

चिकित्सीय लाभ का विचार

*299 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षकों को शिक्षा विभाग द्वारा चिकित्सीय राशि देने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि नियोजित शिक्षकों, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं शारीरिक शिक्षकों को असाध्य रोग में शिक्षा विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का चिकित्सीय राशि देने का प्रावधान नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'ख' में वर्णित शिक्षकों को चिकित्सीय अवकाश स्वीकृति एवं भुगतान की कोई समय सीमा भी निर्धारित नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार असाध्य रोग से पीड़ित नियोजित शिक्षकों को नियमित शिक्षकों की भांति चिकित्सीय राशि प्रदान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

आवासन मुक्त पर विचार

*300 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सूबे के कई जिलों में विद्यालयों/महाविद्यालयों में स्थायी रूप से पुलिस बल का आवासन किया गया है जो संस्थाहित में कतई उचित नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत वर्षों से छात्र-छात्राओं के संख्यात्मक दबाव के कारण ऐसे ही वर्ग कक्ष का अभाव रहता है और अध्यापन कार्य भी स्थायी रूप से प्रभावित होता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसे शिक्षण संस्थानों को चिह्नित कर पुलिस बल के आवासन से मुक्त कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

वेतन भत्ता एवं अन्य सुविधाएं कबतक

*301 **श्री महेश्वर सिंह (पूर्वी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-
(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के कर्मियों को बिहार शिक्षा परियोजना का हिस्सा नहीं माना जा रहा है, जिसके कारण उनके साथ वेतन विसंगति हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि अन्य कर्मियों को सारी सुविधाएं मिल रही हैं, परंतु कस्तूरबा गांधी विद्यालय आवासीय व्यवस्था होने के कारण हमारी 24 घंटे नौकरी करने वाले इन कर्मियों को न तो काम के अनुसार वेतन मिलता है और न ही उनके लिए अवकाश की सही व्यवस्था है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मियों को अन्य कर्मियों के समान वेतन, भत्ता एवं अन्य सुविधाएं कबतक देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नामकरण कबतक

*302 **प्रो. गुलाम गौस (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **कला, संस्कृति एवं युवा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि उस्ताद बिस्मिल्ला खां विश्वविख्यात शहनाई वादक थे;

(ख) क्या यह सही है कि खां साहब बिहारी माटी के लाल थे;

(ग) क्या यह सही है कि भारत सरकार द्वारा उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है;

(घ) क्या यह सही है कि राज्य सरकार पटना में उनके नाम से किसी संस्था का नाम रखकर उन्हें सम्मानित करना चाहती है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक पटना में किसी संस्था का नाम उनके नाम से मंसूब करेगी?

सेवा बहाल करने पर विचार

***303 प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में वर्ष 2013 में बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद्, पटना द्वारा राज्यस्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के उपरांत राज्य कार्यालय में विभिन्न पदों सहित सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में 3 पदों यथा - सहायक साधनसेवा, सहायक लेखापाल, प्रखंड साधनसेवी पर रोस्टर क्लियरेंस करते हुए संविदा पर नियुक्ति की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि वर्ष 2018 में बिहार सरकार, शिक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या – 423, दिनांक – 17.04.2018 द्वारा बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद् को विघटित करते हुए सभी कर्मियों सहित बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना में संविलयन कर दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि निदेशक, माध्यमिक शिक्षा के पत्रांक – 598, दिनांक – 11.10.2021 को आधार बनाकर विभागीय पत्रांक – 2028, दिनांक – 20.10.2022 के आदेशानुसार सभी जिलों में लगभग 10 वर्षों से कार्यरत प्रखंड साधनसेवी, माध्यमिक शिक्षा को अकारण कार्यमुक्त/सेवामुक्त कर दिया गया है, जबकि उनकी सरकारी उम्रसीमा भी समाप्त हो चुकी है और वे अब किसी सरकारी सेवा के लायक नहीं हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रखंड साधनसेवी, माध्यमिक शिक्षा को पुनः सेवा में बहाल करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

समस्या का निराकरण कबतक

*304 **श्री नीरज कुमार (पटना स्नातक):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पटना नगर स्थित मध्य विद्यालय राजापुर – मैनपुरा में 500 से अधिक नामांकित छात्र-छात्राएं विद्यालय में बेंच-डेस्क नहीं होने के कारण जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इस विद्यालय में स्मार्ट क्लास शुरू करने के लिए कम्प्यूटर शिक्षक एवं अन्य विषयों के सुचारु पठन-पाठन हेतु शिक्षकों की व्यवस्था की जानी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस विद्यालय के सुचारु पठन-पाठन हेतु खंड 'क' एवं खंड 'ख' में वर्णित समस्याओं का निराकरण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

नियुक्ति कबतक

*305 **डा. प्रमोद कुमार (मनोनीत):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गांधी स्मारक इंटर विद्यालय, जहानाबाद में अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि बारहवीं कक्षा में भौतिक एवं रसायन विज्ञान तथा वाणिज्य विषयों में केवल एक शिक्षक हैं तथा माध्यमिक में हिन्दी विषय के शिक्षक नहीं है एवं संस्कृत विषय के दस वर्षों से अभी तक कोई भी शिक्षक नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार गांधी स्मारक इंटर विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति कबतक करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

शौचालय का निर्माण

*306 **श्री सर्वेश कुमार (स्नातक दरभंगा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के कई प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय की समुचित व्यवस्था एवं उपलब्धता नहीं है, ऐसे विद्यालयों

की संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह सही है कि जिन विद्यालयों में शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं उपलब्धता नहीं है वहां विशेषकर छात्राएं स्कूल नहीं जाना चाहती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिन विद्यालयों में शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं उपलब्धता नहीं हैं, वहां शीघ्र शौचालय निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय की चहारदीवारी

***307 मो. फारूक (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत ठाका प्रखंड के जमुआ संस्कृत विद्यालय में चहारदीवारी नहीं रहने के कारण असामाजिक तत्वों का आना-जाना रहता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय की चहारदीवारी कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

स्पष्ट निर्देश कबतक

***308 श्री खालिद अनवर (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के विद्यालयों में साप्ताहिक छुट्टी का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि विद्यालयों में जुम्में के दिन साप्ताहिक छुट्टी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो प्राइमरी शिक्षा निदेशक ने जो वर्ष 2023 की छुट्टी का गाइड लाइन जारी किया है उसमें जुम्मे के दिन छुट्टी का जिक्र क्यों नहीं किया गया है और कबतक स्पष्ट निर्देश जारी कर दिया जाएगा?

नियुक्ति का विचार

***309 श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला अन्तर्गत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,

आरा के पूर्व कुलसचिव सह एसोसिएट प्रोफेसर स्व० नन्हेश्वर प्रसाद की मृत्यु सेवा काल में ही दिनांक – 02 मई 2021 को कोरोना महामारी के चलते हो गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि स्व० नन्हेश्वर प्रसाद दिनांक – 07.04.2021 से निधनकाल अर्थात दिनांक – 02.05.2021 तक वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलसचिव के पद पर कार्यरत थे;

(ग) क्या यह सही है कि स्व० नन्हेश्वर प्रसाद की मृत्यु के उपरांत उनके आश्रित पुत्र श्री अमर ज्योति द्वारा अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन दिया गया है जो आज तक वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में लंबित है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के पूर्व कुलसचिव स्व० नन्हेश्वर प्रसाद के आश्रित पुत्र श्री अमर ज्योति की वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में अनुकंपा के आधार पर शीघ्र नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय भवन का निर्माण

***310 श्री संजय पासवान (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिलान्तर्गत श्री कृष्ण उच्च विद्यालय, सिसवां, नवादा प्रखण्ड का सबसे पुराना उच्च विद्यालय है;

(ख) क्या यह सही है कि उच्च विद्यालय का भवन पूरी तरह से ध्वस्त होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है;

(ग) क्या यह सही है कि विभागीय उदासीनता के कारण +2 उच्च विद्यालय का भवन भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त उच्च विद्यालय एवं +2 उच्च विद्यालय का भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

चाइल्ड केयर लीव देने पर विचार

***311 श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य की पंचायती राज संस्थाओं के विद्यालयों में नियुक्त

महिला शिक्षिकाओं को 180 दिनों का मातृत्व अवकाश देय है, लेकिन चाइल्ड केयर लीव देय नहीं है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इन संस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षिकाओं को चाइल्ड केयर लीव देने पर विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

स्थानांतरण पर विचार

*312 **श्री अनिल कुमार (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में वर्ष 2005 से नियुक्त नियोजित शिक्षकों की एक ही विद्यालय में जैसे-तैसे सेवा ली जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि ऐसे हजारों शिक्षक जो वर्षों से स्थानांतरण की प्रतीक्षा में है, उनका स्थानांतरण नहीं किया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वैसे शिक्षकों का स्थानांतरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

भवन का निर्माण

*313 **श्री भीसम साहनी (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चंपारण जिले के नरकटियागंज नगर परिषद् के वार्ड नं. – 8 में राजकीय प्राथमिक विद्यालय, उर्दू अवस्थित है, जो खंडहर में तब्दील हो गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं दूसरे विद्यालय में शिफ्ट कर दिये गये हैं और मात्र 300 (तीन सौ) बच्चे कमरे एवं बरामदे में बड़ी मुश्किल से पढ़ते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के कमरों का निर्माण कराने हेतु जिला शिक्षा विभाग द्वारा सारी औपचारिकता पूरी करके विभाग को राशि देने हेतु शिक्षा परियोजना सैदपुर, पटना को भेजे काफी अरसा हो गया है लेकिन आज तक राशि आवंटन के अभाव में विद्यालय का निर्माण नहीं हो सका है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्र ही राजकीय प्राथमिक विद्यालय, उर्दू, नरकटियागंज का भवन निर्माण कराकर पठन-पाठन

की व्यवस्था उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

खेल मैदान अतिक्रमण से मुक्त

*314 **श्री सच्चिदानंद राय (स्थानीय प्राधिकार, सारण):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत बनियापुर प्रखंड के उच्च विद्यालय कन्हौली में कक्ष भवन एवं शिक्षक का अभाव है जिसके कारण शिक्षण कार्य प्रभावित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के खेल मैदान को भी अतिक्रमित कर लिया गया है जिसके कारण बच्चे खेल नहीं पाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय में कक्षा भवन का निर्माण कराकर कक्षवार शिक्षक की नियुक्ति करने एवं खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए शिक्षण कार्य का बेहतर माहौल बनाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय भवन की मरम्मती एवं शौचालय का निर्माण

*315 **श्रीमती रीना देवी उर्फ रीना यादव (स्थानीय प्राधिकार, नालन्दा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नालन्दा जिलान्तर्गत सरमेरा प्रखंड के मध्य विद्यालय, सिंधौल, पंचायत – ससौढ़ के भवन की स्थिति काफी जर्जर है साथ ही विद्यालय में अबतक शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है जिसके कारण छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाई होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित विद्यालय के जर्जर भवन की मरम्मती कराने एवं शौचालय का निर्माण शीघ्र कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

भवन की मरम्मती

*316 **श्री अजय कुमार सिंह (सहरसा स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सहरसा जिले के प्रतिष्ठित राजकीय कन्या उच्च विद्यालय का भवन काफी पुराना हो गया है;

(ख) क्या यह सही है कि जर्जर भवन में छात्राओं का वर्ग संचालन जोखिम भरा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के जर्जर भवन की मरम्मती शीघ्र कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

स्टेडियम का सौन्दर्यीकरण एवं चौड़ीकरण

*317 **श्री कुमार नागेन्द्र (स्थानीय प्राधिकार, जहानाबाद, गया एवं अरवल):**

क्या मंत्री, **कला, संस्कृति एवं युवा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के बांकेबाजार प्रखण्ड के रौशनगंज स्थित उपेन्द्र नाथ वर्मा फुटबॉल स्टेडियम की स्थिति काफी खराब है एवं इसका परिसर लगातार अतिक्रमण होने के कारण छोटा होता जा रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्र उक्त स्टेडियम का चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कराने का विचार रखती है?

कमरों की संख्या बढ़ाने पर विचार

*318 **श्री अशोक कुमार (स्थानीय प्राधिकार, नवादा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिला के हिसुआ प्रखंड अन्तर्गत पंचायत – छतिहर ग्राम – खानपुर में उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मात्र दो कमरा उपलब्ध है, जिसमें वर्ग – 01 से वर्ग – 08 तक कक्षाएं संचालित की जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि कमरों की संख्या कम रहने के कारण छात्रों को बैठने में असुविधा होती है, जिसके कारण शिक्षकों एवं छात्रों को पठन-पाठन में काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार छात्रों के हित में विद्यालय में कमरों की संख्या बढ़ाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अनुकम्पा पर नियुक्ति

*319 **डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पंकज कुमार, पंचायत शिक्षक के रूप में नव सृजित प्राथमिक विद्यालय, नवटोलिया, सनहपुर बुजुर्ग प्रखंड – सिंहवाड़ा, जिला - दरभंगा में कार्यरत रहते हुए सेवावधि में उनकी आकस्मिक मृत्यु 10.10.2015 को हो गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि पंकज कुमार की पत्नी पिंकी कुमारी ने अनुकंपा के आधार पर शिक्षा विभाग में शिक्षिका के पद पर नौकरी हेतु आवेदन दिया है, उनके आवेदन को संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक के द्वारा दिनांक – 16.09.2019 को अनुशंसित किया गया है, किन्तु अभी तक पिंकी कुमारी की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की कार्रवाई नहीं की जा सकी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्व. पंकज कुमार की पत्नी पिंकी कुमारी की नियुक्ति उनकी योग्यतानुसार अनुकंपा के आधार पर शिक्षिका के पद पर करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

विशेष योजना

***320 श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि मिथिला शोध संस्थान, दरभंगा एवं कामेश्वर सिंह, दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के नियंत्रण में लगभग 20000 पाण्डुलिपियां संरक्षित है जो मिथिलाक्षर, कैथी, संस्कृत एवं मैथिली भाषा से संबंधित है;

(ख) क्या यह सही है कि इन पाण्डुलिपियों का अनुवाद एवं शोध नहीं होने के कारण मिथिला की ज्ञान परंपरा कुंठित हो रही है और संपूर्ण विश्व को मिथिला के ज्ञान एवं दर्शन का एकेडमिक लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इन संस्थानों में संरक्षित पाण्डुलिपियों के अनुवाद शोध एवं प्रकाशन की समुचित व्यवस्था करने हेतु एक विशेष योजना बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

प्राथमिक विद्यालय की स्वीकृति

***321 श्री घनश्याम ठाकुर (मनोनीत):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के बेनीपट्टी प्रखंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत नवकरही के अनुसूचित जाति टोला में तथा ढंगा पंचायत के घुसकीपट्टी महादलित टोला में एक नए प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की आवश्यकता है;

(ख) क्या यह सही है कि उपर्युक्त वर्णित दोनों स्थलों पर प्राथमिक विद्यालय के निर्माण हेतु संबंधित (बेनीपट्टी) पंचायत समिति द्वारा प्रस्ताव पारित कर प्रशासन को प्रतिवेदित किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोनों टोला में प्राथमिक विद्यालय की स्वीकृति प्रदान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

मदरसों को अनुदान की श्रेणी में लाने का विचार

*322 **श्री मो. सोहैब (विधान सभा):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सचिव, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा, बोर्ड, पटना के ज्ञापांक – 1572, दिनांक – 06.07.2021 के द्वारा बिहार के सभी शिक्षा पदाधिकारियों को राज्य के गैर-सरकारी स्वीकृत 2459+1 कोटि के मदरसा के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार कामयाब पाए गए मदरसों को अनुदान की श्रेणी में लाने के लिए पत्राचार करके मदरसों का फोल्डर नये सिरे से पेश करने का आदेश दिया गय था;

(ख) क्या यह सही है कि दोबारा जांच हो कर मदरसा और सचिवालय में संचिका भेजी जा चुकी है, जो अभी तक लंबित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वैसे सभी मदरसों को, जिनकी संचिका दोबारा जांच हो कर मदरसा बोर्ड एव सचिवालय में लंबित है, अनुदान की श्रेणी में लाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

विद्यालय का निर्माण

*323 **श्रीमती निवेदिता सिंह (मनोनीत):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सासाराम शहर नगरपालिका से नगर निगम में परिवर्तित हो गया है लेकिन अभी भी वहां की छात्राओं (बालिकाओं) के लिए मात्र शहर में एक ही उच्च विद्यालय है;

(ख) क्या यह सही है कि शहर में बालिकाओं की संख्या में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है एवं छात्राओं को काफी दूर-दूर से आना-जाना होता है;

(ग) क्या यह सही है कि उच्च विद्यालय खोलने के लिए सरकार के यहां कोई योजना है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार छात्राओं के लिए उच्च माध्यमिक विद्यालय का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

बकाया राशि का भुगतान

***324 प्रो. (डा.) वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि नियोजित शिक्षकों के बकाया वेतन और अंतर वेतन भुगतान के लिए संयुक्त सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के ज्ञापांक – 8/वि०3-03/2022 126, दिनांक – 02.01.2023 के आलोक में राशि स्वीकृत हो गई थी, परन्तु अब तक जिला को राशि प्राप्त नहीं हुई;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो राशि कबतक उपलब्ध करायी जाएगी?

पढ़ाई चालू कबतक

***325 श्री दिलीप कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, औरंगाबाद):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला मुख्यालय के थोड़े ही दूर पर बभनडीह में सेंट्रल स्कूल संचालित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्कूल के पास अभी तक अपनी भूमि नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि सेंट्रल स्कूल में उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं की पढ़ाई हेतु 5 एकड़ भूमि की आवश्यकता है;

(घ) क्या यह सही है कि जिला में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा ग्रहण हेतु छात्र-छात्राओं को दूसरे जिला तथा अन्य प्रदेश में जाना पड़ता है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बभनडीह में संचालित सेंट्रल स्कूल को 5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराकर वहां उच्चतर माध्यमिक की पढ़ाई चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

प्रमाण-पत्र देने की व्यवस्था

***326 डा. दिलीप कुमार जायसवाल (पूर्णिया, अररिया स्थानीय प्राधिकार):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बड़ी संख्या में प्रवासी बिहारियों के परिवारजन मॉरीशस, फिजी, गुयाना, त्रिनिदाद सहित विश्व के अनेकानेक देशों में निवास करते हैं परन्तु उन्हें बिहार के गीत, संगीत, नृत्य, पर्व-त्योहार, रहन-सहन पर गौरव है और वे इन्हें अंगीकार भी करना चाहते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार के किसी भी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्था को यह अधिकार नहीं है कि वह इन प्रवासी बिहारियों को गीत-संगीत की औपचारिक शिक्षा प्रदान कर उन्हें प्रमाण-पत्र दे सके ;

(ग) क्या यह सही है कि इसके अभाव में प्रवासी बिहारियों को बिहार की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने में अत्यंत कठिनाई हो रही है;

(घ) क्या यह सही है कि इस हेतु शिक्षा विभाग को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से संपर्क कर यथोचित व्यवस्था करने की आवश्यकता है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रवासी बिहारियों को गीत-संगीत, नृत्य में औपचारिक शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रमाण-पत्र देने के लिए नियमानुसार सभी तरह की व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

खेलकूद की व्यवस्था

***327 श्री बिनोद कुमार जयसवाल (स्थानीय प्राधिकार, सीवान):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिला की सभी पंचायतों के उच्च विद्यालय को 10+2 का दर्जा दे दिया गया है, परन्तु इंटर कॉलेज की सुविधा उपलब्ध नहीं करायी गयी है, जैसे भवन, प्रयोगशाला खेलकूद की समुचित व्यवस्था का अभाव है;

(ख) क्या यह सही है कि 10+2 का दर्जा प्राप्त उच्च विद्यालय इन सुविधाओं से वंचित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार 10+2 उच्च विद्यालय के लिए भवन, प्रयोगशाला एवं खेलकूद की समुचित व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

यूनिवर्सिटी गोपालगंज में कबतक

*328 **श्री जनक राम (मनोनीत):**

क्या मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला अंतर्गत यूनिवर्सिटी नहीं होने के कारण बहुत से छात्र/छात्राओं की उच्च शिक्षा का पठन-पाठन बंद हो जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिला में यूनिवर्सिटी नहीं होने के कारण छात्र/छात्राओं को पठन-पाठन हेतु छपरा, मुजफ्फरपुर सहित अन्य जगह जाना पड़ता है जिसके कारण बहुत से छात्र/छात्राओं का पठन-पाठन ठप हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गोपालगंज जिला में यूनिवर्सिटी खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?